

नांदगांव टाइम्स

शुक्रवार, 01 अगस्त 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 281, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए



॥ जय श्री जलाराम ॥

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

अवित दूर पर मकान, पल्लेट, डुलेक्स,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट
की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- वागडी बटल के बाजू में, रामावनी मार्ग, राजनांदगांव

मो: 98274-61508, 83192-88559

मोदी कैबिनेट के फैसले : रेलवे की चार परियोजनाओं को मंजूरी

574 किमी लंबी रेल लाइन का होगा निर्माण

है दिखे। प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव के अध्यक्षता में गुजरात को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई अमर फैसले लिए गए, मॉरिशस में चार मरुस्थलीय त्रिकोण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। साथ ही छहवें कोलकाता विकास मिशन के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहमत की मंजूरी दी गई। कैबिनेट त्रिकोणों को संतोषित करती हुए रेल मंत्रालय अतिथि नवनिर्माण के काल, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र, गुजरात प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्य के 13 जिलों को कवर करने के लिए चार मरुस्थलीय परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये परियोजनाएं हैं— इंदरसिन्हा-नागपुर चौथी रेल लाइन औरदामादा (उत्तरप्रदेश-समोजीगढ़) परंपराणी दौरेकरक, अनुमतिआवर्ग रोड-न्यू जवाहरपुराणी तीसरी और चौथी लाइन, और डोंडोपामोणी तीसरी और चौथी लाइन, इस परियोजनाओं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 574 किमी/घंटा बढ़ जाएगा।



इन्की कुल अनुमानित लागत 11,169 करोड़ रुपये हैं और ये 2028-29 तक पूरी हो जाएंगी। वैष्णव ने कहा कि प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 43.60 लाख की आय बढ़ी। पहले 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से निर्माण के दौरान लगभग 229 लाख मानव दिवसों का प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होगा। उन्होंने आगे बताया कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में बड़ी वृद्धि होगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वस्तरीय

में सुधार होगा. ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं. ये परियोजनाएं क्षेत्र व लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाएंगी जिससे उनका रोजगार या स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे. वैश्व ने कहा, ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राहियों मास्टर प्लान के अनुसार बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारक प्रणाली के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता

को ब्रह्म है, ये परीक्षावाला लोगो-
बल्लो और सवालों को आवाजवाही
दिए बिनाही मल्टी-ट्रैकिंग प्रदान करींगे
प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना
मात्र 43.60 लाख को आवाजवाही
2,309 गानों को कर्नाटकराष्ट्र बर्गिंग
धैर्यन ये बताया कि ये कारवाला, सींग
बिक्किर, जियम, फलार, रंग, कंडेन
कीक सुश्रोतों और डीपलियम सुश्रोतों
सींग सुश्रोतों के पहचान के लिए
आयसीक माहों हैं, उन्होंने कहा, धमन
डूक कायों के परिणामस्वरूप 95.9
मिलियन 20 प्रति प्रति को अजीरि
मात वाकवाही हंगे, रलेवे, परिणाम
का एक परिवर्ण-अनुकूल और उच्च
काक साधन हंगे के कारण, जलवायु
लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश को स
लगात को कम करने, तेल अजला (16
करोड़ लीटर) को कम करने और
सीओ₂ उत्सर्जन (515 करोड़
किटोग्राम) को कम करने में मदद
करेगा, जो 20 करोड़ डूक लगावे
व्यवहार है।



रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, सड़क परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की अधोसंरचना योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गडकरी



परिवर्तनवादीओं को अग्रगण्य मानकर तो और बताया कि अग्रगण्य सरकार विनाश करने को सामर्थ्य देवे तो वे पूर्ण करके ही ऐसा कर सकें। यह कहना कि राज्य के मुख्य अधिकारियों को के दुरुप्य सहजों के जोड़ने के मुख्य नेत्री से लिए जा रहे हैं, ताकि सब के लोगों को बेहतर और निष्पक्षीय और आर्थिक असुरक्षा प्राप्त हो सके। बैठक में चर्चा हो गई कि औद्योगिक क्षेत्रों तथा नगराजित जिलों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़

करना राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुखमंत्रियों ने इस बात पर विशेष धन दिया कि सहजों केवल आगमन का माध्यम नहीं, बल्कि वे रोजगार, निवेश और सामाजिक परिवर्तन को आगमिलता भी हैं। केंद्रीय मंत्री श्री नितीन गडकरी ने छत्तीसगढ़ सरकार को प्राथमिकताओं और दृष्टिकोणों की सराहना करते हुए यह भीरा दिलवाया कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करने पर तैयार है। उन्होंने कहा कि आदिवासी अर्थात् तन सहजों को पूर्ण से विकास विकास से बाधित, अग्रगण्य क्षेत्रों में स्थान और विकासकर परिवर्तन भी है। मुखमंत्रियों की राय ने ही गडकरी को चूरीसगढ़गढ़ अर्थात् अग्रगण्य क्षेत्रों 2047कालिक के अंतर्गत राज्य को पूर्णकालिक रणनीति से भी अग्रगण्य काया, विकास एकूणकृत और पूर्वाग्रह अंतर्गत परिवर्तन प्रणाली विकास करने का लक्ष्य निश्चित किया गया है।

दुर्ग संभाग कोसरिया यादव समाजडॉ.रमन से मिले

झोंगरगांव (नांदगांव टाडम्स) । संभाग कोसरिया यादव समाज द



को अपना अधिकार अवश्य मिलेगा। संभाषण अध्यक्ष बोधन राम यादव के साथ हीराथ यादव जिला उपाध्यक्ष, बग़ातु यादव महामंत्री, शंकर यादव जिला सचिव, कंसु राम यादव जिला अध्यक्ष राजनानदाबाबू, कार्तिक राम यादव संरक्षक, रघु लाल यादव उपाध्यक्ष, शैलु राम यादव कोषाध्यक्ष, महेश यादव महामंत्री, चिंता राम यादव, केदार यादव सकलित अध्यक्ष पातेकोहर आदि ने अपनी उपस्थिति देकर यादवी एकाता को परिचय दिये हैं।

ग्राम बिटेझर में पेड़ों की कटाई की शिकायत पर वन विभाग के अधिकारियों ने किया स्थल का निरीक्षण

राजन्यादानम् । (नादानम् दायम्) । यस्मात्तत्र पत्रम् प्रकाशितं केन्द्रं के लिए दुष्टा प्रादुरवे कर्त्तव्यं ने की दौ टनने से न्यादा पैठौं की कसई, ग्रामोपाय न्या, प्रशान्त ने होगी शिक्षाकृत ब्रह्म भाष्क एतथो से परे है । अन्वेषण डॉ. सर्वर संरूप भुने के निर्देश पर कविप्राप्त के अधिकारियों द्वारा राजन्यादान विकासखंड के ग्राम विस्तार में खबर में उन्नीयनित्य कक्षा को निराशा किनया गया तथा चर्च की उन्नीयनित्य में प्रादुरवे चर्च बनाया चमया गया । प्रादुरवेदन के अनुसार के प्रैपैरै की कविचित किनया गया । वृत्तों द्वितीय प्रादुरवेदन लिखितेष्ट द्वारा अनुविप्राप्त अधिकारी राख्यर राख्यर राख्यर की पत्र लिखकर केष्टी को हटाने या स्यान्तारित करने हेतु निवेदन किनया गया । इसके साथ ही ग्राम प्रचलित बौद्धिक की औद्योगिक इकाई तथा हटाने हेतु एसोसियों के लिए लिखित रूप से निवेदन किनया गया है ।

मानपुर का आकर्षण का केन्द्र बना शिव लोक

मानपुर (न
में स्थित शि
लोक इन दि
क्षेत्रवासियों अ
ध्रदालुओं के ब
आस्था अ
आकर्षण का के
बना हुआ
सावन माह
पावन अवसर
यहां भक्तों
भीड़ लगात
बढ़ती जा रही



मनोहारी स्वरूप में विकसित यह स्थल शिवभक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केन्द्र बन चुका है। शिव लोक में स्थापित भव्य शिवलिङ्ग, नंदी की प्रतिमा, हनुमान जी की प्रतिमा, शिव परिवार की मनोहारी छायाओं और हरियाली से सजे वातावरण ने इसे एक आध्यात्मिक पर्यटन स्थल का रूप दे दिया है। हर सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व नगरवासी सम्मिलित होते हैं। सवर्ण के वर्गों के लिए विशेष रूप से यहां जलाभिषेक के लिए भूकन दूर-दराज से भी आ रहे हैं। शिव लोक की भव्यता और वातावरण ऊर्जा को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा

महाराष्ट्रपर मेला
 पहलूश्री का आयेन जा
 जाता है। नगरात्र पर ज्योति
 करारा मणिकामा दो
 श्रद्धालुओं द्वारा प्रनवनिर्वा
 जाता है। हर स
 कांथिचिंय दोषों नेत का
 जालविषय चिंय सोमगार का
 जाता है। रवायि
 नवप्रतिनिधि और समाज
 सेविग ने भी शिव लोक को
 और, कतिन करे को दिशा
 गने को बता कर है। शिव लोक
 ब्रह्मा को पर्थन है, बलिक नम
 काविक पर्थन को दिशा में एक
 नवन बता जा रहा है। श्रेय
 काविक के पर्थनकावितो शशि
 गन वरमा,पाल वन,कोशल
 मोद निर्मल, चरनगम
 कैलाश नगर,शिला नगर,रि
 गमिच देवगन, माकुल गर
 शिव देवगम रयि, सुनील नगर
 रन ख्वी, व अन्य सेविग, पुरा
 री, ने शिवलोक को शासन
 से आविषादी बाल्लु क्षेत्र मण
 लोक को पर्थन देव के रूप मे
 करे को मांग को है।

इंतारा किआ का भव्य शोरूम उद्घाटित



राजनान्दागांव (नान्दागांव टाइम्स) ।
 29 जुलाई को मनसुख लाल पेट्रोल
 पंप के समीप इंतारा किआ का भव्य
 शोरूम दीप प्रज्वलन किया गया।
 शुभारंभ कि अवसर पर डीलर
 प्रिंसिपल प्रशांत मंधान के अनुज करन
 Carnivaजैव
 उपलब्ध रहेगे

गाइडर बल्लों द्वारा जवानों के लिए तैयार किया गया 1375 रक्षा सूत्र राखियां

राजधानी देहरादून (संवादक टाइम्स)। एक सशस्ति भादव्यो के नाम के महान विचार के गाइडर गाइड बाल्ल बल्लों बनाने के अवसर पर देश की रक्षा के लिए अमृत पर्वजन से पूरे देश को सोमाओं में सेवारत जवानों के सम्मान में हवा से वन 1375 रक्षा सूत्र राखियां तैयार किया गया है। इन रक्षा सूत्र राखियों को जवानों तक पहुँचाने के लिए राजा मुख्यालय भारत सरकारदे एवं गाइडर बाल्लों वाहणु को प्रेषित किया गया है। इस कार्य में 31 शताब्दी को गाइडर रेजर प्रभावी सहित विकासवेष्ट सिधिव स्काउट-गाइड की प्रवीण सब, श्री लेखाक्रम बम्म, श्री डामन काश्यं, श्री नाराजेश प्रब्र को शामिल संयोगदा ला।

नवागाँव मोतीपुर तुलसीपुर लेबर कॉलोनी से निकली महाकाल की भक्त्य पालकी यात्रा

भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर ने भक्तों के हरे कष्ट, अपनी प्रजा पर डाली कपादष्टि, महापौर मधुसूदन ने सपरिवार किया पालकी यात्रा का विशेष श्रंगार



राजनर्दगांव (नांदगांव टाडगुम) । सनानी धार्मिक महत्व के सावन मास में संस्कारधानी राजनर्दगांव में भाषा श्री महाकाल की पालकी का आयोजन होइ हौयाइस के साथ भक्तिपूर्ण खावखन में धर्मप्रेम जनता के सानिध्य में किया जा रहत है। आज स्वयंसी बजरंगपुर रयागाँव मोतीपुर, तुलसीपुर एवं लेखर कोलीनी हरे में, महाकाल के राजनर्दगांव के द्वारा भाषा श्री महाकाल की सावन पालकी यात्रा, भाषा श्री चन्दीलेश्वर स्वयंसे, पूरे भुयता के साथ भक्तिपूर्ण रयागाँव माहील में हौयाइस से निकाली पई। इस पालकी का रजनर्दगांव की धर्मप्रेमी जनता एवं निवर्षकों का आसन प्रेम, अटुट आस्था एवं अनुभवपूर्ण प्रतिसास प्राप्त हो रहत है। पूर्व में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जुगल वाली इस सावन पालकी का आयोजन आज भी होइ हौयाइस



महकाल पालकी
संस्कृति, देशभक्ति

महापौर ने बाबा की पालकी का किया विशेष श्रृंगार
मोतीपुर क्षेत्र अंतर्गत सुभाषक्लब में, गणेशपारामें, लोगों
का स्वागत किया। मोतीपुर के शीतलापारामें महापौर मधुसूदन



त्रा में दिया गया दिया धर्म,
पर्यावरण, स्वच्छता संदेश

यादव, करण कोसरे, प्रह्लाद, लाला यादव, रोहित यादव, प्रशांत राव
अंकित बघे, ऋषभमल, धरम यादव, एवं अन्य मुख्य रूप से प्रशांत राव
रहे ममतातानगर क्षेत्र में अशोक चौधरी, ऋषदेव चौधरी के नेतृत्व
वावसासियों द्वारा पलकी यात्रा की पूजा अर्चना का ईह । त
गुलाबसिंह मार्ग में पणविवज्य प्रताप सिंह, विशेन्द्र प्रताप सिंह, एवं
के द्वारा बाबू की पलकी का भव्य स्वागत किया गया। लेवक का



पर पद पासे पायल, नन्द (पुत्री) यादव, हंस श्रीवास्तव, श्रीवास्तव एवं वाडवाँसीयों के द्वारा बाबा को पालक को पूजा के लिये १५ श्राद्ध बाबा को पालक तुलसीपुरी संस्थान की स्थिति प्राणों में सिद्धांत लिया, जहां आलेख के साथ, पारस टोपेन्द्र वर्मा, इन्द्रादेई सहित वाडवाँसीयों ने हर्षोल्लास के साथ बाबा को पालक वस्त्र ध्यात किया। इन यात्रा के वाडवाँसीयों एवं धर्मगुरु ने बाबा को पालक यात्रा को लेकर भारी उत्साह एवं हर्ष का माहौल महसूस किया जो सो भा यात्रा में उपस्थित भाकों ने बाबा में बैर एवं तथ्यो लोकर धर्म, संस्कृति, देशभावी, पर्यावरण, स्वजागरूकता का संदेश दिया। संस्कारभावी के शिव भाकों परमपूज्यजनो ने बाबा श्री महाकाल जी को सदा पालक यात्रा परमपूज्य स्थिति रख कर पालन करना अर्जित किया।

पुनर्दा एकादशी को खास महत्व है। यह शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाय। विष्णु और माँ लक्ष्मी को भक्ति भाव से सताने प्राप्त के लिए एकादशी का व्रत महिमा सनातन शास्त्रों में विस्तारपूर्वक है कि पुनर्दा एकादशी के दिन भगवान की पूजा करने से साधक को जीवन सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही भक्त उच्च लोक में स्थान मिलता है। पुनर्दा एकादशी को पूरा रत्न की प्राप्ति होती है। अग्र और पश्चा में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो भक्ति भाव से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा य इन मंत्रों का जप करें। वहीं, पूजा के स करें।

